त्रिलोचन मोहंता
अकादेमी पुरस्कारः छऊ

TRILOCHAN MOHANTA
Akademi Award: Chhau

मयूरभंज जिले के बड़जमबनी गांव में 1 जुलाई 1971 को जन्मे, श्री त्रिलोचन मोहंता ने गुरु–शिष्य परम्परा के अन्तर्गत मयूरभंज छऊ नृत्य का प्रशिक्षण गुरु लाल मोहन पात्रा से प्राप्त किया है। आपने सन् 1982–1986 तक मयूरभंज छऊ प्रतिष्ठान में भी प्रशिक्षण लिया है।

श्री त्रिलोचन मोहंता ने संगीत नाटक अकादेमी द्वारा आयोजित नृत्य उत्सवों सहित देश–विदेश में आयोजित होने वाले विभिन्न नृत्य समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, श्रीलंका और कैरेबियन द्वीप समूह जैसे कई देशों में प्रस्तुतियाँ दी है। विभिन्न शैलियों के कलाकारों के साथ मिलकर प्रस्तुतियाँ देने के अतिरिक्त आपने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में भी भाग लिया है। आपने रइरंगपुर में संगीत नाटक अकादेमी की छऊ परियोजना सहित विभिन्न संस्थानों के बैनर तले बहुत से युवाओं को छऊ नृत्य का प्रशिक्षण दिया है।

श्री त्रिलोचन मोहंता को मयूरभंज छऊ नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 1 July 1971, Shri Trilochan Mohanta belongs to Badjambani village in Mayurbhanj district. He received training in Chhau dance from Lal Mohan Patra in the Guru-Shishya tradition. He also received training at the Mayurbhanj Chhau Pratisthan from 1982-1986.

Shri Trilochan Mohanta has performed extensively within the country and abroad including in the festivals of Sangeet Natak Akademi. He has performed in many countries like Indonesia, Singapore, Thailand, Sri Lanka and the Caribbean Islands. Apart from collaborating with various artists of different genres, he has been involved in workshops conducted at various prestigious fora. He has imparted training in the art form to various young dancers at various institutions including Sangeet Natak Akademi's Chhau Project at Rairangpur.

Shri Trilochan Mohanta receives the Sangeet Natak Akademi Award for his contribution to Mayurbhanj Chhau dance for the year 2020.